परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 1

दाऊद इस्राएल का राजा था और उसके चारों ओर इस्राएल के कुछ सबसे पराक्रमी और वीर योद्धा थे। इन योद्धाओं को तीन अलग-अलग वर्गों में बाँटा गया था—पहले और सबसे श्रेष्ठ वर्ग में तीन योद्धा थे, दूसरे वर्ग में दो, और तीसरे वर्ग में सैंतीस योद्धा थे (2 शमूएल 23:8-39)।

इन वीरों की पूरी कहानी और उनके अद्भुत साहस को जानने के लिए आप पवित्रशास्त्र में दिए गए विवरणों को पढ़ सकते हैं।
आज हम संक्षेप में इन तीन पराक्रमी योद्धाओं में से एक, एलिआज़र, और उसके साहस के द्वारा मिलने वाले शक्तिशाली आत्मिक संदेश पर ध्यान देंगे।

एलिआज़र की अडिग सामर्थ्य

एलिआज़र, दोदो का पुत्र, दाऊद के तीन श्रेष्ठ पराक्रमी योद्धाओं में से एक था। एक अवसर पर वे एक बहुत बड़ी पलिश्ती सेना से भिड़े (2 शमूएल 23:9-10)। उस समय इस्राएल के लोग भाग खड़े हुए, और एलिआज़र अकेला रह गया। फिर भी वह डटा रहा। यह दिखाता है कि उसका भरोसा मनुष्यों की संख्या पर नहीं, बल्कि परमेश्वर की सामर्थ्य पर था।

परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 2

एलिआज़र ने अपनी तलवार को कसकर पकड़ा और अकेले ही पलिश्तियों से युद्ध करता रहा, जैसे कभी शिमशोन ने किया था (न्यायियों 15)। थक जाने के बाद भी उसने तलवार छोड़ने से इनकार किया। बाइबल कहती है कि उसका हाथ तलवार से ऐसा चिपक गया मानो जम गया हो।

2 शमूएल 23:10 (Hindi O.V.)
“उसने उठकर पलिश्तियों को ऐसा मारा कि उसका हाथ थक गया, और
उसकी तलवार उसके हाथ से चिपक गई; और उस दिन यहोवा ने बड़ा उद्धार किया।”

यद्यपि उसका शरीर थक गया था, फिर भी परमेश्वर ने उसे अलौकिक रूप से संभाले रखा। उसके विश्वास और धैर्य के कारण परमेश्वर ने महान विजय दी। जब बाकी सेना लौटी, तो वे केवल लूट का माल इकट्ठा करने आए।

यह घटना हमें सिखाती है कि जब हम परमेश्वर के उद्देश्य से दृढ़ता से चिपके रहते हैं, तो परमेश्वर भी हमें थामे रखता है और हमें अपनी योजना पूरी करने की सामर्थ्य देता है।

हमारे जीवन में परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहना

परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 3

जब आप पूरे मन और लगन से परमेश्वर के उद्देश्य का पीछा करते हैं, तो वही उद्देश्य आपको संभालता और आगे बढ़ाता है। यह परमेश्वर का स्वभाव है—वह अपने विश्वासयोग्य जनों को कभी नहीं छोड़ता।

थकावट के बीच भी परमेश्वर का उद्देश्य हमसे जुड़ा रहता है और हमें आगे बढ़ने की शक्ति देता है। इसी कारण सच्चे सेवक कठिनाइयों और अभावों के बावजूद अपने बुलाहट से पीछे नहीं हटते।

यशायाह 40:29-31 (Hindi O.V.)
“वह थके हुए को बल देता है, और शक्तिहीन को बहुत सामर्थ्य
देता है। जवान भी थक जाते हैं और श्रम करते-करते गिर पड़ते
हैं, परन्तु जो यहोवा की बाट जोहते हैं वे नया बल प्राप्त करेंगे; वे उकाबों के समान पंखों पर उड़ेंगे, दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं, चलेंगे और श्रमित न होंगे।”

परमेश्वर उन लोगों को अलौकिक सामर्थ्य देता है जो उस पर भरोसा रखते हैं। एलिआज़र की तरह, हमें भी परमेश्वर के उद्देश्य को पूरा करने के लिए दिव्य शक्ति मिलती है।

अस्थिरता का खतरा

परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 4

यदि कोई विश्वासी परमेश्वर और संसार के बीच डगमगाता रहता है, तो वह इस दिव्य सामर्थ्य को खो सकता है। परमेश्वर हमारी स्वतंत्र इच्छा का आदर करता है; इसलिए जब हम सच्चे मन से उसके पीछे नहीं चलते, तो उसकी सामर्थ्य का अनुभव भी कम हो जाता है।

बहुत से लोग उत्साह से मसीही जीवन शुरू करते हैं, पर कठिनाइयों के कारण धीरे-धीरे ठंडे पड़ जाते हैं। समस्या परमेश्वर की विश्वासयोग्यता नहीं, बल्कि मनुष्य की डगमगाती हुई आस्था है।

फिलिप्पियों 1:6 (Hindi O.V.)
“मुझे इस बात का भरोसा है कि जिसने तुम में अच्छा काम आरम्भ किया है, वही उसे यीशु मसीह के दिन तक पूरा करेगा।”

परमेश्वर के बुलावे का उत्तर

क्या आपने सच में मसीह का अनुसरण करने का निर्णय लिया है? यदि नहीं, तो आज ही पश्चाताप करें, पापों से फिरें, और यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा लें तथा पवित्र आत्मा को ग्रहण करें।

मत्ती 28:19 (Hindi O.V.)

परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 5

“इसलिये तुम जाकर सब जातियों के लोगों को चेला बनाओ, और उन्हें पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा के नाम से बपतिस्मा
दो।”

प्रेरितों के काम 2:38 (Hindi O.V.)
“मन फिराओ, और तुम में से हर एक अपने पापों की क्षमा के लिये यीशु मसीह के नाम से बपतिस्मा ले; तो तुम पवित्र आत्मा का वरदान पाओगे।”

याद रखें—जो लोग परमेश्वर के द्वारा उद्धार पाए हैं और उसकी सामर्थ्य में चलते हैं, संसार उन्हें पराजित नहीं कर सकता।

यूहन्ना 16:33 (Hindi O.V.)
“संसार में तुम्हें क्लेश होता है; परन्तु ढाढ़स बाँधो, मैंने संसार को जीत लिया है।”

शालोम।

परमेश्वर के उद्देश्य से चिपके रहने में अतिरिक्त सामर्थ्य

NURU YA UPENDO www.wingulamashahidi.org | 6

JIUNGE NA GROUP LETU LA WHATSAPP HAPA >> WHATSAPP GROUP….

Share on:
WhatsApp